दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३६२ वा | बुधवार १३ ऑगस्त २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

नवनिर्वाचित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता भागवत तावरे का आलंदी, पुण्यनगरी में सत्कार संपन्न-पांडुरंग आवारे-पाटील

आलंदी (प्रतिनिधि) १२ अगस्त को, बीड जिले के भूमिपुत्र, लोक पत्रकार के रूप में न केवल बीड जिले में बल्कि पूरे महाराष्ट्र में पहचान बनाने वाले तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उपमुख्यमंत्री माननीय अजित दादा पवार के दल के नवनिर्वाचित प्रदेश प्रवक्ता पद पर नियुक्त हुए श्री भागवत तावरे ने शिवसंग्राम संपर्क प्रमुख पिंपरी-चिंचवड़ शहर, पुणे, श्री पांडुरंग आवारे-पाटील के कॉटन इंडिया हाउस, देहू फाटा, आलंदी, पुणे में सद्भावना भेंट दी। इस अवसर पर पांडुरंग आवारे-पाटील और मित्र परिवार की ओर से उनका स्वागत एवं सत्कार कर शुभकामनाएं दी गईं।

भागवत तावरे बीड तहसील के नालवंडी गांव के एक साधारण विस्थापित किसान परिवार के बेटे हैं। आज वे राज्य की राजनीति में एक बड़े पद पर पहुंचे हैं, इसका मुझे अत्यंत हर्ष है। भागवत राव ने बहुत संघर्ष कर आंदोलन से तैयार हुआ यह नेतृत्व प्राप्त किया है। भविष्य में भागवत राव आम विस्थापित परिवारों के जरूरतमंदों को न्याय दिलाने के लिए आवाज उठाएंगे और अपने पद का न्याय करेंगे, ऐसी आशा व्यक्त करता हूं और भागवत तावरे को आगे की सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

क्या देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री हैं या चुनाव आयुक्त?-रमेश चेन्नीथला

पुणे में कार्यशाला का समापन

रिपोर्ट: जमीर काज़ी

मुंबई:

भाजपा चुनाव आयोग की मदद से वोट चोरी कर रही है। महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में हुई वोट चोरी को राहुल गांधी ने उजागर किया है। लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए वे संघर्ष कर रहे हैं। यह लड़ाई बड़ी और कठिन है, लेकिन मजबूती से साथ खड़े रहकर हम यह लड़ाई जीतेंगे, ऐसा कहना है महाराष्ट्र कांग्रेस प्रभारी रमेश चेन्नीथला का। कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों की पुणे में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ। इस अवसर पर चेन्नीथला, प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकळ, विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार, विधान परिषद में कांग्रेस के गटनेता सतेज पाटील, बालासाहेब थोरात, नसीम खान, पूर्व मंत्री डॉ. नितीन राउत, यशोमती ठाकुर, अमित देशमुख, डॉ. विश्वजीत कदम, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा और अन्य नेता उपस्थित थे।

चेन्नीथला ने कहा कि देश कठिन परिस्थिति से गुजर रहा है। पड़ोसी देशों से हमारे अच्छे संबंध नहीं हैं, अमेरिका भारत को धमकी दे रहा है लेकिन प्रधानमंत्री इस पर कुछ नहीं बोलते। इंदिरा गांधी जब प्रधानमंत्री थीं, तो अमेरिका क्या, कोई भी देश भारत को धमकी देने की हिम्मत नहीं करता था। उन्होंने महाराष्ट्र की भाजपा सरकार को सबसे भ्रष्ट बताते हुए आरोप लगाया कि कृषि मंत्री विधानसभा में 'रमी' खेलते हैं और गृह राज्यमंत्री डांस बार चलाते हैं।

देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधते हुए चेन्नीथला ने कहा कि राहुल गांधी ने सवाल चुनाव आयोग से पूछा था, उसका जवाब आयोग को देना चाहिए, लेकिन फडणवीस क्यों जवाब दे रहे हैं? क्या वे मुख्यमंत्री हैं या चुनाव आयुक्त?

प्रदेशाध्यक्ष सपकळ का आह्वान

प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकळ ने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता और पदाधिकारी ही

प्रदेशाध्यक्ष है। जो लोग पार्टी छोड़कर गए, वे कौवे थे और जो बचे हैं वे मावले हैं। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि मैं आपके साथ हूं। दो दिनों की कार्यशाला समाप्त हो चुकी है, अब सीधे काम पर लग जाएं। अब सिर्फ एक ही बात--लींळेप, रलींळेप और रलींळेप। स्थानीय निकाय चुनाव आने वाले हैं, इन चुनावों में जीत हासिल करें और कांग्रेस को राज्य में नंबर वन पार्टी बनाएं।

कांग्रेस को नैरेटिव की जरूरत नहीं - पवन खेड़ा अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि जो सरकार और पार्टी काम नहीं करती, उसे नैरेटिव और धारणा (perception) की जरूरत होती है। कांग्रेस को इसकी जरूरत नहीं है। भाजपा ने केवल झूठा माहौल बनाने का काम किया। कांग्रेस का रास्ता सत्य का है, जो कठिन है, लेकिन कांग्रेस शुरू से इसी रास्ते पर चली है और आगे भी इसी रास्ते पर चलेगी। स्वतंत्रता के बाद पंडित नेहरू ने लोकतंत्र और संविधान का रास्ता चुना और सबको साथ लेकर चलने का संकल्प लिया था। आज राहुल गांधी भी उसी रास्ते पर चल रहे हैं। भ्रष्टाचार और कर्ज का आरोप - वडेट्टीवार विजय वडेट्टीवार ने कहा कि राज्य की भाजपा-युति सरकार ने १० लाख करोड़ का कर्ज लिया है और १ लाख ७८ हजार करोड़ की देनदारी बाकी है। इस सरकार ने महाराष्ट्र को बर्बादी की ओर धकेल दिया है। शिक्षक भर्ती में बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है, जो व्यापम घोटाले से भी बड़ा है।

राज ठाकरे पर अभी निर्णय नहीं

उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की संभावित गठबंधन पर चेन्नीथला ने कहा कि इस पर अभी कोई निर्णय नहीं हुआ है। अगर दोनों भाई एक साथ आते हैं तो यह उनका पारिवारिक मामला है। राज ठाकरे अभी महाविकास आघाड़ी में शामिल नहीं हैं। जब दोनों भाई कोई निर्णय लेंगे, तब चर्चा करके कांग्रेस अपना फैसला करेगी।

राज्य में १५ हज़ार पुलिसकर्मियों की भर्ती होगी; मंत्रिमंडल का निर्णय

पिछले दो वर्षों में ओवर एज हो चुके उम्मीदवारों को भी मिलेगा मौका, OMR प्रणाली से लिखित परीक्षा

रिपोर्ट: जमीर काज़ी

मुंबई:

महाराष्ट्र राज्य पुलिस बल में सिपाही के लगभग १५ हज़ार पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए २०२४-२५ की पुलिस सिपाही भर्ती प्रक्रिया को मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल बैठक में मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की।

इस भर्ती में २०२२ और २०२३ में संबंधित पद की निर्धारित आयुसीमा पार कर चुके उम्मीदवारों को भी एक बार के विशेष प्रावधान के तहत आवेदन करने और भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

भर्ती २०२४ में खाली और २०२५ में खाली होने वाले पदों को मिलाकर होगी। पदों का विवरण इस प्रकार है - पुलिस सिपाही: १०,९०८, पुलिस सिपाही चालक: २३४, बैंड्समैन: २५, सशस्त्र पुलिस सिपाही: २,३९३, कारागार सिपाही: ५५४। पुलिस सिपाही और कारागार सिपाही के पद 'गट-क' वर्ग के हैं। भर्ती प्रक्रिया जिला स्तर पर आयोजित की जाएगी और इसके लिए जचट आधारित लिखित परीक्षा ली जाएगी।

भर्ती से संबंधित आवेदन मंगाना, उनकी जांच, प्रक्रिया, शारीरिक परीक्षा और पात्र उम्मीदवारों की लिखित परीक्षा के आयोजन के अधिकार प्रशिक्षण और विशेष बल विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक को देने को भी मंजूरी दी गई।

राज्य में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सिपाही वर्ग के पद अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। पद रिक्त रहने पर पुलिस पर कार्यभार बढ़ता है। पुलिस बल और कारागार की स्थिति सुधारने के लिए उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने भी समय-समय पर यह पद शीघ्र भरने के निर्देश दिए हैं। विधायकों ने भी विधानमंडल में इन पदों को तुरंत भरने की मांग की थी।

राशन दुकानदारों के मार्जिन में प्रति क्विंटल २० की वृद्धि

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशनकार्ड धारकों को अनाज और चीनी वितरित करने वाले ५३,९१० राशन दुकानदारों के मार्जिन में प्रति क्विंटल २० की वृद्धि की गई है। अब उन्हें पहले के १५० की जगह १७० प्रति क्विंटल (१,७०० प्रति मीट्रिक टन) मिलेगा।

अंत्योदय अन्न योजना और प्राथमिक परिवार योजना के लाभार्थियों को ई-पॉस मशीन से बायोमेट्रिक सत्यापन कर वितरण किया जाता है। पहले केंद्र सरकार से ४५ और राज्य सरकार से १०५ मिलाकर कुल १५० प्रति क्विंटल मार्जिन मिलता था। दुकानदार संघों ने इसमें वृद्धि की मांग की थी, जिसके अनुसार अब उन्हें १७० प्रति क्विंटल मिलेगा। इस निर्णय से हर वर्ष लगभग ९२.७१ करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया जाएगा।

तीन महामंडलों की ऋण योजना में जमानतदार की शर्तें शिथिल

महात्मा फुले पिछड़ा वर्ग विकास महामंडल, संत रोहिदास चमड़ा उद्योग व चर्मकार विकास महामंडल, साहित्यरत्न लोकशाहीर अण्णा भाऊ साठे विकास महामंडल की विभिन्न ऋण योजनाओं में जमानतदार संबंधी शर्तों में ढील देने और इन महामंडलों को दी जाने वाली सरकारी गारंटी की अवधि ५ वर्ष बढ़ाने को मंजूरी दी गई।

इससे लघु उद्यमियों के लिए ऋण लेने की प्रक्रिया आसान होगी और लंबित प्रकरणों के निपटारे में तेजी आएगी। इन महामंडलों के माध्यम से अवधि ऋण योजना, ऋण योजना और बीज पूंजी योजना चलाई जाती है।

२ लाख रुपये तक के ऋण के लिए अब लाभार्थी की संपत्ति पर या एक जमानतदार की अचल संपत्ति पर बंधक रखने की मंजूरी होगी। २ से ५ लाख रुपये के ऋण के लिए पहले दो जमानतदार की शर्त थी, जिसे अब घटाकर एक जमानतदार कर दिया गया है। इन योजनाओं के संचालन के लिए महात्मा फुले पिछड़ा वर्ग विकास महामंडल को ६०० करोड़, साहित्यरत्न लोकशाहीर अण्णा भाऊ साठे विकास महामंडल को १०० करोड़ और संत रोहिदास चमड़ा उद्योग व चर्मकार विकास महामंडल को ५० करोड़ की सरकारी गारंटी को ५ वर्षों के लिए बढ़ाया गया है।

बीड की दिल्ली में गूंज; सांसद सोनवणे के आक्रामक रुख से सदन स्थगित

केंद्रीय चुनाव आयोग के पक्षपाती रवैये पर चर्चा की मांग

बीड: सोमवार को मत चोरी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग के कार्यालय पर मोर्चा निकाला था। इस दौरान बीड के सांसद बजरंग सोनवणे सबसे आगे नजर आए। वहीं, मंगलवार को इसी मुद्दे पर सांसद बजरंग सोनवणे ने संसद में जोरदार आवाज उठाई। इस विषय पर संसद में आवाज उठाने वाले पहले सदस्य सांसद सोनवणे ही बने। उनके समर्थन में इंडिया गठबंधन के सभी सांसदों ने नारेबाजी कर हंगामा किया। अंततः बढ़ते हंगामे के कारण लोकसभा अध्यक्ष को कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी।

इंडिया गठबंधन, जिसमें कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस-शरद पवार, राजद, भाकपा (माले), शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट), तृणमूल कांग्रेस और अन्य दल शामिल हैं, ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष व्यापक पुनरीक्षण का तीव्र विरोध जताया है। गठबंधन का कहना है कि यह कदम गरीब, वंचित, अल्पसंख्यक और प्रवासी आबादी के लाखों मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने का गंभीर खतरा पैदा करता है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव २०२४ के दौरान चुनाव आयोग के पक्षपाती और मनमाने रवैये के कारण मतदान शुरू होने तक मतदाता सूची में नए नाम जोड़े गए। सांसद सोनवणे का आरोप है कि इस कार्यवाही का सीधा लाभ सत्तारूढ़ दल को मिला। इसके चलते चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े हुए और देशभर में असंतोष की लहर फैल गई। इस असंतोष के विरोध में कल से इंडिया गठबंधन के ३०० से अधिक सांसदों ने जोरदार शक्ति प्रदर्शन करते हुए मोर्चा निकाला। इस मोर्चे में सांसद बजरंग सोनवणे ने सभी का विशेष ध्यान आकर्षित किया।

संसद भवन के बाहर जब जोरदार प्रदर्शन चल रहा था, उसी समय आज सदन के भीतर इस मुद्दे पर सांसद बजरंग सोनवणे ने जोरदार तरीके से आवाज उठाई। इस विषय को संसद में उठाने वाले पहले सदस्य वही रहे। उनके समर्थन में इंडिया गठबंधन के सभी सांसदों ने नारेबाजी कर हंगामा किया। अंततः बढ़ते गड़बड़झाले के कारण लोकसभा अध्यक्ष को कार्यवाही रोककर सदन स्थगित करना पड़ा।

देशभर के सांसदों का समर्थन

देशभर के सांसदों ने सांसद बजरंग सोनवणे की मांग का समर्थन किया। इसके चलते दिल्ली में बीड के सांसद की गूंज सुनाई दी। अब तक इस तरह का आक्रामक रुख दिल्ली के सदन में बीड का कभी नहीं दिखा था। सांसद सोनवणे ने पूरे देश को बीड का आक्रामक तेवर दिखा दिया।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव २०२४ के दौरान, चुनाव आयोग के पक्षपाती और मनमाने रवैये के कारण मतदान शुरू होने तक मतदाता सूची में नाम जोड़े गए। इसका सीधा लाभ सत्तारूढ़ दल को मिला। इसके चलते आयोग की स्वतंत्रता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हुए हैं। आज संसद में इस मुद्दे पर सबसे पहले मैंने ही आवाज उठाई। मेरे समर्थन में इंडिया गठबंधन उतरा। लोकतंत्र की रक्षा के लिए मेरा संघर्ष जारी रहेगा।

बैलेट पेपर पर हुई चुनाव में पंकजाताई की जीत

वैद्यनाथ बैंक पर निर्विवाद वर्चस्व; विरोधियों की जमानत जब्त

बीड (प्रतिनिधि): राज्य की पर्यावरण और पशुपालन मंत्री पंकजाताई मुंडे का वैद्यनाथ अर्बन बैंक पर वर्चस्व बरकरार रहा है। मंत्री पंकजाताई मुंडे और विधायक धनंजय मुंडे के नेतृत्व में लोकनेते गोपीनाथराव मुंडे जनसेवा पैनल के सभी के सभी यानी तेरहों उम्मीदवार बड़े मतांतर से जीतकर आए हैं। इस चुनाव में शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। खास बात यह है कि यह चुनाव बैलेट पेपर से हुआ। भाजपा के विरोधी अक्सर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की चुनौती देते रहे हैं। इस चुनाव में बैलेट पेपर का उपयोग होने के बावजूद पंकजाताई और विधायक धनंजय मुंडे को जोरदार जीत मिली।

वैद्यनाथ बैंक निदेशक मंडल की १७ सीटों के लिए चुनाव हुआ। इस चुनाव में मंत्री पंकजाताई मुंडे और विधायक धनंजय मुंडे के नेतृत्व में लोकनेते गोपीनाथराव मुंडे जनसेवा पैनल मैदान में उतरा था। इस पैनल की चार सीटें पहले ही निर्विरोध जीत ली गई थीं, जिनमें पूर्व सांसद डॉ. प्रीतमताई मुंडे, अनिल तांदळे, डॉ. विनोद जगतकर और माधुरी मेनकुदळे का नाम शामिल है। निदेशक मंडल के चुनाव के लिए परली से मुंबई तक के ३६ मतदान केंद्रों पर शनिवार को मतदान हुआ। कुल ४३,९६२ मतदाताओं में से १६,२८७ ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। कुल मतदान प्रतिशत ३७.५% दर्ज किया गय किया गया।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

जनसेवा से ही जनता का मजबूत साथ मिलता है-अजित पवार

देवळाली, इगतपुरी विधानसभा क्षेत्र के शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी शरद पवार गुट और वीबीए के पदाधिकारी एनसीपी में शामिल

मुंबई: (संवाददाता)हमारा अनुभव है कि जब आप जनसेवा करते हैं, तभी जनता मजबूती से आपके साथ खड़ी रहती है। लोगों की समस्याएं दूर करें, उनके सुख-दुख में शामिल हों। यह अपील राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने आज कार्यकर्ताओं से की। नासिक जिले के देवळाली और इगतपुरी विधानसभा क्षेत्र के शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी शरद पवार गुट और वंचित बहुजन आघाड़ी के प्रमुख पदाधिकारी आज अजित पवार की मौजूदगी में एनसीपी में शामिल हुए।

इस मौके पर अजित पवार ने कहा कि सरकार किसानों और युवाओं के लिए योजनाएं लागू कर रही है। केंद्र सरकार ने राज्य को २० लाख घर बनाने का लक्ष्य दिया है। अपने-अपने क्षेत्रों में इस योजना का लाभ लोगों तक कैसे पहुंचे, इसके लिए सभी को प्रयास करना चाहिए। जितने अधिक लोगों तक पहुंचेंगे, पार्टी उतनी ही मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आज़ादी के ७८ साल बीत जाने के बावजूद कुछ लोग अब भी बेघर हैं, लेकिन केंद्र और

राज्य की इस योजना से उन्हें अवश्य घर मिलेगा।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए अजित पवार ने कहा कि जब वे हारते हैं तो चुनाव आयोग को दोषी ठहराते हैं, और जब जीतते हैं तो उसकी तारीफ करते हैं। अगर चुनाव आयोग गलत है, तो न्यायपालिका मौजूद है। मैंने बारामती से लगातार चुनाव जीते हैं और वहां ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि आज एनसीपी में शामिल होने वालों में उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट के शेतकरी संघ के नासिक तालुका अध्यक्ष शरद गायकवाड़, शरदचंद्र पवार गुट के नासिक तालुका अध्यक्ष विष्णु थेते, सचिन पिंगळे सहित नासिक जिले की विभिन्न पार्टियों के प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हैं। इगतपुरी विधानसभा क्षेत्र के त्र्यंबकेश्वर से वंचित आघाड़ी के नेता कृष्णा काशीद भी अपने प्रमुख पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी में शामिल हुए।

इस मौके पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री अजित पवार, विधायक सरोज अहिरे, पार्टी के कोषाध्यक्ष और विधायक शिवाजी राव गरजे, पूर्व मंत्री अनिल भाई दास पाटिल, विधायक संजय खोडके, विधायक हीरामन खोसकर, विधायक राजेश वाटेकर, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रमोद हिंदुराव, प्रदेश महासचिव लतीफ तांबोळी, सह-कोषाध्यक्ष संजय बोरगे, उमेश नेमाडे, दक्षिण मुंबई जिला अध्यक्ष महेंद्र पानसरे सहित अन्य नेता मौजूद थे।

मिल्लिया महाविद्यालय में चलो घर बसाये व्याख्यानमाला का आयोजन

बीड: यहां के मिल्लिया कला, विज्ञान एवं प्रबंधनशास्त्र महाविद्यालय में जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल की ओर से दिनांक १२ अगस्त २०२५, मंगलवार को चलो घर बसाये विषय पर व्याख्यानमाला का उद्घाटन किया गया। इसके अंतर्गत पहला व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद इलियास फाजिल ने की। मंच पर महाविद्यालय के उपप्राचार्य प्रो. हुसैनी एस.एस. तथा जेंडर सेंसिटाइजेशन सेल की अध्यक्षा प्रो. सीमा हाश्मी भी उपस्थित थीं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती कुरैशी फरहा सोहेल (इस्लामिक काउंसलर, काज़ी नगर, बीड) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. सय्यद तनवीर, डॉ. एजाज परवीन, डॉ. फर्रा फातिमा नेहरी, डॉ. जाधव शामल और डॉ. काज़ी अर्शिया थीं।

कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. इलियास फाजिल ने छात्राओं को मार्गदर्शन देते हुए

कहा कि महिलाओं के कारण ही घर को घरपन मिलता है। यदि घर में आपसी सौहार्द बनाए रखना है तो महिला और पुरुष, दोनों को मिलकर मेहनत करनी होगी। पति-पत्नी के बीच छोटी-छोटी बातों पर होने वाले झगड़ों से घर कैसे टूटते हैं और उनसे कैसे बचा जा सकता है, इस पर उन्होंने विस्तृत मार्गदर्शन दिया।

मुख्य अतिथि श्रीमती कुरैशी फरहा सोहेल ने इस्लाम धर्म में महिलाओं की भूमिका और उनकी जिम्मेदारियों पर पवित्र कुरान और हदीस के हवाले से मार्गदर्शन किया। उन्होंने इंटरनेट, मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से समाज में उत्पन्न हो रही विभिन्न समस्याओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के दौर में पति-पत्नी के झगड़ों में मोबाइल फोन की भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विवाह के बाद यदि आप अपने ससुराल को भी अपना घर समझकर रहेंगी, तो किसी भी प्रकार के झगड़े और मनमुटाव नहीं होंगे। यदि सास-ससुर को माता-पिता और ननद-दिवर को भाई-बहन मान लिया जाए, तो ससुराल सबके लिए स्वर्ग बन सकता है।

समाज में बढ़ते तलाक के मामलों पर उन्होंने चिंता व्यक्त की और कहा कि तलाक का प्रतिशत कम करने के लिए पति-पत्नी के बीच सामंजस्य जरूरी है। कॉलेज जीवन में अनुशासन का पालन करने से आगे का जीवन सुखमय होता है। उन्होंने छात्राओं को सुबह जल्दी उठने, पांच वक्त की नमाज़ पढ़ने और रोज़ कुरान शरीफ का पाठ करने की सलाह दी, ताकि जीवन अनुशासित और खुशहाल हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरों को देखकर अपना जीवन न जिएं, बल्कि जो कुछ आपके पास है, उसमें संतोष रखकर खुश रहें। महाविद्यालय की छात्राओं को कॉलेज और घर, दोनों जगह कैसे व्यवहार करना चाहिए, इस पर उन्होंने विशेष मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम का प्रस्तावना और संचालन डॉ. काज़ी अरशिया जबीन ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रो. सीमा हाश्मी ने किया। कार्यक्रम में प्रो. फारुख सौदागर, प्रो. शोएब पीरजादे तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

बच्चों को मिला नया जीवन

जन्म से छह महीने तक, माँ का दूध शिशु के लिए अमृत के समान होता है। लेकिन...

हबीब शेख, अहमदाबाद

अब तक २१,३५७ माताओं ने अमृत रुपये मूल्य का दूध दान किया है, जिससे लगभग १९,७३१ बच्चों को लाभ हुआ है।

सभी बच्चे संज्ञानात्मक विकास की दृष्टि से कमज़ोर हैं। आमतौर पर, अपनी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण, वे अपनी माताओं पर निर्भर होते हैं।

गुजरात में नवजात शिशुओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने और शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए राज्य सरकार की इस शानदार पहल को मदर मिल्क बैंक के नाम से जाना जाता है। कई माताएँ नवजात शिशुओं को स्तनपान कराने के लिए अपना बहुमूल्य दूध दान करती हैं। 'मदर मिल्क बैंक' कैसे काम करता है? स्तनपान सप्ताह मनाने का उद्देश्य जन्म के पहले घंटे से स्तनपान शुरू करने, छह महीने तक केवल स्तनपान कराने और छह महीने के बाद स्तनपान के साथ पूरक आहार शुरू करने की परंपरा के बारे में जागरूकता पैदा करना है ताकि बच्चे के स्वास्थ्य और पोषण स्तर की रक्षा हो सके और उसके स्वस्थ जीवन में सुधार हो सके। मानव दूध बैंक उन बच्चों के लिए वरदान है जो अपनी माताओं को स्तनपान कराने में असमर्थ हैं और जो स्वास्थ्य कारणों से अपनी माताओं को स्तनपान कराने में असमर्थ हैं। गुजरात में वर्तमान में संचालित माँ दूध बैंक अमृत के समान दूध उपलब्ध करा रहा है। यह मदर मिल्क बैंक राज्य के ४ मेडिकल कॉलेज अस्पतालों - सूरत, वडोदरा, वलसाड और गांधीनगर में कार्यरत है। अहमदाबाद के असरवा सिविल अस्पताल में हर साल ७,००० से ज़्यादा बच्चे जन्म लेते हैं। इसके बावजूद, मदर मिल्क बैंक परियोजना वर्षों से लंबित है।

वर्तमान में, अहमदाबाद में केवल एक निजी मानव दूध बैंक है। कुछ माताएँ समय से पहले जन्मे शिशुओं को दूध पिलाने के लिए स्वेच्छा से अपना दूध दान करती हैं। गुजरात में हर साल लगभग १३ लाख बच्चे जन्म लेते हैं, जिनमें से कुछ समय से पहले जन्मे होते हैं और उनका जन्म का वजन कम होता है। यह अमृत के समान है। जो बच्चे सीधे दूध नहीं पी सकते, उनके लिए यह दूसरी माताओं का दूध है। माताओं का दूध उनकी सभी मेडिकल रिपोर्ट नेगेटिव आने के बाद एकत्र किया जाता है। यदि गर्भवती महिलाएँ प्रसव के बाद अत्यधिक स्तनपान करा रही हैं, तो माताओं को स्तनपान के महत्व के बारे में बताया जाता है और उनके रक्त की जाँच कर रिपोर्ट तैयार की जाती है। एचआईवी, पीलिया और सिफलिस जैसी बीमारियों की जाँच के बाद, यदि रिपोर्ट सामान्य आती है, तो ऐसी माताओं से दूध लिया जाता है। स्तन दूध निकालने के लिए एक इलेक्ट्रिक ब्रेस्ट पंप का उपयोग किया जाता है। इससे माँ को बिना किसी शारीरिक नुकसान या पीड़ा के, सही मात्रा में और आवश्यकतानुसार स्तन दूध निकाला जा सकता है।

दान किए गए दूध को पाश्चुरीकृत करके और तेज़ी से ठंडा करने के बाद, दूध के नमूने को रिपोर्ट के लिए माइक्रोबायोलॉजी विभाग भेजा जाता है। दूध की रिपोर्ट आने के बाद, इसे माइनस १८ से माइनस २० डिग्री के तापमान पर डीप फ्रीजर में रखा जाता है। आमतौर पर, तीन माताओं के दूध को १२५ मिलीलीटर की बोतल में मिलाया जाता है। यह संग्रहित अमृत छह महीने तक चलता है। इस बैंक में १ किलो ८०० ग्राम से कम वजन वाले समय से पहले जन्मे शिशुओं, किसी बीमारी के कारण आईसीयू में भर्ती शिशुओं और ऐसे बच्चों को प्राथमिकता दी जाती है जो बीमार हैं और जिनकी माताएँ अस्पताल नहीं पहुँच पाती हैं। दूध दान करने से स्तनपान कराने वाली माँ के शरीर को कोई नुकसान नहीं होता है। दूधदान रक्तदान जितना ही मूल्यवान है।

अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में मदर बैंक परियोजना वर्षों से लंबित है। सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार ने असरवा सिविल अस्पताल को स्तन दूध बैंक शुरू करने के लिए ३० लाख रुपये का अनुदान दिया था। लेकिन निर्धारित अवधि में उपयोग न होने के कारण अनुदान वापस ले लिया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, स्तन दूध बैंक चलाना बहुत कठिन है। इसके लिए एक विशेषज्ञ की मदद की आवश्यकता होती है जो दूध बैंक के लिए कर्मचारियों और दानदाताओं को ला सके। सरकार की मदद से, एक सरकारी अस्पताल में मदर मिल्क बैंक काम कर रहा है। यह बैंक कई नवजात शिशुओं के पोषण का स्रोत बन रहा है।

सिविल अस्पताल में ६४६ दूध ।। गांधीनगर सिविल अस्पताल में माताएँ दूध दान कर रही हैं। यह आवश्यक है। इसके अलावा, दान किए गए दूध को माइनस २० डिग्री के तापमान पर संग्रहित करना होता है। स्तन दूध बैंक के लिए लगभग ७५ लाख रुपये की आवश्यकता है। सिविल अस्पताल के अनुसार, निकट भविष्य में अस्पताल में मदर मिल्क बैंक शुरू करने की तैयारी चल रही है। खत ह्यूमन मिल्क बैंक काम कर रहा है। अब तक कुल ६४६ माताओं ने इस बैंक में अपना अमृत समान दूध दान किया है। इस दूध से ६९४ बच्चों को नया जीवन मिला है। अब तक इस बैंक में १८३.१८ लीटर दूध एकत्रित हो चुका है। । गुजरात के एसएसजी अस्पताल वडोदरा को उच्च गुणवत्ता का प्रमाण पत्र दिया गया है। ऐसा प्रमाण पत्र पाने वाला यह भारत का पहला अस्पताल है। इसलिए यह सही मायने में यशोदा बन गया है। वर्ष २०२४-२५ में राज्य की ५,५३७ माताओं ने मानव दूध बैंक में ५,०३६ लीटर दूध दान किया है। इस वर्ष बैंक में मानव दूध दान करके ७,८२९ बच्चों की जान बचाई गई है। मदर मिल्क बैंक: इस वर्ष ५५३७ माताओं ने ५०३६ लीटर दूध दान किया

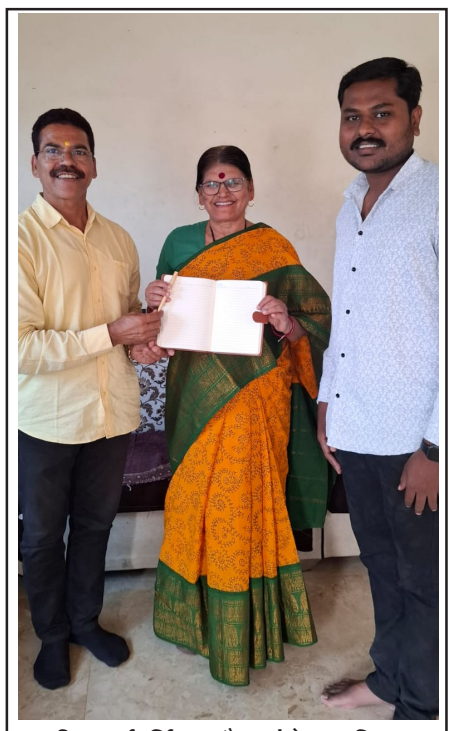

वरिष्ठ मार्गदर्शिका और आंदोलन की एक मज़बूत नेतृत्वकर्ता प्रो. सुशीला ताई मोराले के जन्मदिन के अवसर पर, उन्हें पेन और नोटबुक भेंट कर उचित सम्मान करते हुए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर भाजपा राज्य परिषद सदस्य एडवोकेट सर्जेराव तांदळे और अमर सानप उपस्थित थे।

जामनेर में भीड़ का हैवानियत भरा हमला , पुलिस भर्ती का सपना देखने वाला सुलेमान रहीम खान मौत के आगोश में, इंसाफ की मांग तेज़, कानून को चुनौती

जलगांव (अकील खान ब्यावली) जलगांव ज़िले के जामनेर तहसील के छोटे बेटावद गाँव का २१ वर्षीय होनहार युवक सुलेमान रहीम खान, जो पुलिस फोर्स में भर्ती होकर देश की सेवा का सपना देख रहा था, १२ अगस्त को भीड़ की हैवानियत का शिकार होकर अपनी जान गंवा बैठा. यह दर्दनाक घटना न केवल एक परिवार बल्कि पूरे समाज और कानून व्यवस्था पर गहरा सवाल खड़ा कर रही है.

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, सुलेमान सुबह खेत में माता-पिता के साथ काम करने के बाद जामनेर के एक साइबर कैफ़े में पुलिस भर्ती का फ़ॉर्म भर रहा था. इसी दौरान, अफ़वाह फैली कि वह एक गैर-समुदाय की लड़की के साथ है और उसके मोबाइल में अन्य लड़कियों की तस्वीरें हैं.कुछ ही मिनटों में १०-१५ लोगों का झुंड उस पर टूट पड़ा.प्रत्यक्षदर्शियों और परीजनो का कहना है कि हमलावर उसे एक अज्ञात स्थान पर ले गए, पाँच-छह घंटे तक बेरहमी से पीटा, उसके शरीर पर गंभीर चोटें दीं, यहां तक कि पैरों के नाखून तक उखाड़ दिए. इसके बाद लगभग ९-१० हमलावरों ने उसे एक ईको गाड़ी में डालकर फिल्मी अंदाज़ में उसके घर के सामने फेंक दिया. यह दृश्य देख माता-पिता, दादा और बहन ने विरोध किया तो उन्हें भी मारापीटा गया.गंभीर रूप से घायल सलीमान ने घर पर अपने पिता और दादा को पूरी घटना सुनाई, लेकिन कुछ ही देर बाद बेहोश होकर गिर पड़ा. सरकारी अस्पताल में भर्ती कराने पर डॉक्टरों ने

उसे मृत घोषित कर दिया.पुलिस ने पिता की शिकायत पर मामला दर्ज किया. सीसीटीवी फुटेज से १५ आरोपियों की पहचान हुई ज़िला एसपी महेश्वर रेड्डी के अनुसार अब तक ४ गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और बाकी की तलाश के लिए ४ विशेष टीमें बनाई गई हैं. मामला धारा १०३(१) और १०३(२) के तहत दर्ज है.

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किसी पर नाबालिग से अवैध संबंध या किसी भी प्रकार के गैरकानूनी कार्य का संदेह हो, तो कार्रवाई का एकमात्र संवैधानिक रास्ता पुलिस और न्यायालय है. भीड़ द्वारा कानून हाथ में लेना 'मोब लिंचिंग' है, जो गंभीर दंडनीय अपराध है, जिसकी सज़ा आजीवन कारावास या मृत्युदंड तक हो सकती है.

सामाजिक नेतृत्व की प्रतिक्रिया,

समाजसेवी और संगठन नेताओं ने कहा कि यह घटना सिर्फ़ एक युवक की मौत नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव और कानून पर विश्वास की हत्या है. एकता संगठन और मणियार बिरादरी के नेता फ़ारूक़ शेख ने और परीजनो ने मांग की कि इस मामले में महाराष्ट्र नियंत्रण संगठित अपराध अधिनियम (मकोका) के तहत भी कार्रवाई की जाए और सभी आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए. प्रशासन की कार्यवाही:

नासिक डिवीज़न के आईजी दत्तात्रेय कराडे ने रात में जलगांव पहुंचकर घटनास्थल का दौरा किया और जनता से शांति बनाए रखने की अपील की. पीड़ित परिवार की मांग पर जलगांव सिविल अस्पताल में कैमरे की निगरानी में पोस्टमार्टम किया गया. संवेदनशील अपील:

यह घटना चेतावनी है कि माता-पिता को अपने बच्चों की गतिविधियों, विशेषकर मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर सतत निगरानी रखनी चाहिए. विवाद और गलती का समाधान कानून के माध्यम से होना चाहिए, न कि भीड़ के हाथों.

सुलेमान रहीम खान की हत्या इंसानियत, इंसाफ़ और सामाजिक सद्भाव के लिए एक कठिन परीक्षा है. विरोध और आंदोलन ज़रूरी हैं, लेकिन संयम, शांति और संवैधानिक मार्ग के तहत, ताकि और जानें न जाएं और न्याय व्यवस्था पर भरोसा कायम रहे.

कुरैशी समाज को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दूंगा; मैं समाज का बेटा हूं, कानूनी तरीके से लड़ूंगा

हाजी अरफात शेख का बीड के सम्मेलन में ठोस संकल्प

काज़ी अमान / बीड

राज्य मुस्लिम खटीक समाज सेवा संस्था की ओर से बीड के आशीर्वाद लॉन्स में आयोजित राज्यस्तरीय सम्मेलन ने समाजबंधुओं में उत्साह भर दिया। इस सम्मेलन में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष हाजी अरफात शेख का जोरदार स्वागत किया गया। कुरैशी समाज के अधिकारों और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हाजी अरफात शेख ने इस कार्यक्रम में ठोस भूमिका रखते हुए उपस्थितों को आश्वस्त किया। उन्होंने कहा, मैं राज्य मुस्लिम खटीक संगठन का अध्यक्ष नहीं, बल्कि समाज का बेटा हूं। इसलिए अपने कुरैशी समाज को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दूंगा, मैं आपके साथ मजबूती से खड़ा हूं। इस अवसर पर उन्होंने संस्था के राज्य उपाध्यक्ष जावेद भैय्या कुरैशी के संगठन कौशल की

विशेष सराहना की।

सोमवार, ११ अगस्त २०२५ को शाम को बीड के बार्शी रोड स्थित होटल गोल्डन चॉइस के सामने आशीर्वाद लॉन्स में राज्य मुस्लिम खटीक समाज सेवा संस्था का राज्यस्तरीय सम्मेलन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में प्रसिद्ध गायक दानिश साबरी, अभिनेता शहबाज खान, सलमान घोसी, जावेद भैय्या कुरैशी, एमआईएम के जिला अध्यक्ष एड. शेख शफीक भाई, वरिष्ठ नेता मोईन मास्टर, राष्ट्रवादी के गटनेता फारुख पटेल, शेख निजाम, हाजी जे. डी. शाह, सय्यद एजाज, मुश्ताक कुरैशी, हाजी जब्बार कुरैशी, जुबेर कुरैशी, रफीक कुरैशी, हाजी जमील कुरैशी समेत कई मान्यवर उपस्थित रहे। शुरुआत में जावेद भैय्या कुरैशी ने प्रस्तावना रखी। इस अवसर पर मोईन मास्टर, एड. शेख शफीक भाई, फारुख पटेल, जे. डी. शाह ने अपने विचार व्यक्त किए। हाजी अरफात शेख ने कुरैशी समाज की समस्याओं पर बोलते हुए कहा कि सरकार से लड़ने के बजाय समाज के कार्यों को सही दिशा में ले जाने पर जोर देना चाहिए। बड़े कुरैशी और छोटे कुरैशी एकजुट होकर अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के सामने रखेंगे। मैं वादा करता हूं कि आपके सभी मुद्दे कानूनी तरीके से सुलझाए जाएंगे, ऐसा उन्होंने दृढ़ता से कहा। ओबीसी आरक्षण का मुद्दा उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के माध्यम से सुलझाया गया है, यह भी उन्होंने बताया। मैं खटीक समाज का अध्यक्ष नहीं, बल्कि कौम का बेटा हूं, ऐसा भावुक उद्गार भी उन्होंने व्यक्त किया। जावेद भैय्या कुरैशी ने भी एकजुट रहकर समाज के संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। वहीं, हाजी अरफात शेख ने कहा, जिन किसानों से आप पशु खरीदते हैं, उनके प्रमाण पत्र लें, सरकार आपके साथ खड़ी रहेगी। इस सम्मेलन में इस वर्ष मुंबई के बजाय राज्य के प्रत्येक जिले में सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कुरैशी समाज और पशुपालक किसान भाइयों ने इस सम्मेलन में स्वप्रेरणा से शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com